

पर्यूषण पर्व में पालन करने हेतु नियमावली

- अपशब्दों का प्रयोग नहीं करना ।
- वाहन का उपयोग नहीं करना ।
- क्रोध , निंदा, दुर्भाव नहीं करना ।
- साबुन का उपयोग नहीं करना
- सेविंग कटिंग नहीं करना ।
- नये वस्त्राभूषण नहीं खरीदना ।
- पेस्ट नहीं करना शुद्ध मंजन करें।
- प्रतिदिन 1 घंटा मौन रहना ।
- चाय का त्याग करना ।
- मर्यादित भोजन करना ।
- बार – बार पानी नहीं पीना ।
- कायोत्सर्ग पूर्वक भोजन करना ।
- शोधन करके भोजन करना ।
- किसी से बैर नहीं रखना ।
- जूता – चप्पल का त्याग ।
- सबसे जय जिनेन्द्र करना ।
- जीवों की हिंसा नहीं करना ।
- मोबाईल का उपयोग नहीं करना ।
- प्रतिदिन सामायिक करना ।
- फिल्म सीरियल कार्टून नहीं देखना।
- रूपया सीमित उपयोग करेंगे ।
- बाजार की बनी वस्तु नहीं खाना ।
- बाहर जाने की क्षेत्र की सीमा बनाना ।
- सौन्दर्य प्रसाधन का उपयोग नहीं करना ।
- मौन पूर्वक भोजन, जल ग्रहण करना ।
- दस दिन में 5 जोड़ी वस्त्रों का ही प्रयोग करना ।
- बीड़ी, सिगरेट , तम्बाकु, पाऊच आदि का त्याग।
- रात्रि में भोजन जल ग्रहण नहीं करना।
- बैठकर ही भोजन, जल ग्रहण करना।
- दिन में एक बार या दो बार ही भोजन करना ।
- प्रवचन व भक्ति में समय पर आना ।
- उत्तम क्षमादि धर्मों की माला फेरना।
- सोने के पूर्व जागने के बाद कार्यात्सर्ग करना ।
- पानी छानकर ही उपयोग करना या पीना।
- प्रतिदिन आहारदान करना (यदि नगर में साधु है तो)
- अष्टमी या चतुर्दशी के दिन उपवास या एकासन करना ।
- प्रतिदिन प्रतिक्रमण, आलोचना, सामायिक पाठ करना ।
- मिथ्यात्व का पोषण नहीं करना ।
- प्रतिदिन देव पूजन करना ।
- णमोकार मंत्र की माला फेरना ।
- मंदिर जी मे मौन रहना ।
- दिन में नहीं सोना ।
- हरी का नियम करना (जो वनस्पति गीली है फल ,सब्जी रस आदि)

नोट : - ऊपर लिखित नियमों को पढ़कर 9 बार णमोकार मंत्र का जाप करके संकल्प करें ।